प्रश्नः डिक्की बर्ड प्लान क्या था? तथा इस पर कांग्रेस की क्या प्रतिक्रिया रही?

उत्तरः डिक्की बर्ड प्लान भारत के वायसराय लार्ड माउंटबेटन के द्वारा भारत की स्वतंत्रता तथा विभाजन पर प्रथम प्लान था परन्तु इसे स्वीकृति नहीं मिली तथा इसे आगे बल्लभ भाई पटेल एवं राज्य विभाग के सचिव वी– पी– मेनन के द्वारा निर्मित एक दूसरे प्लान द्वारा विस्थापित कर दिया गया। डिक्की बर्ड लार्ड माउंटबेटन का बचपन का नाम था। उसी के नाम पर इस प्लान का नाम दिया गया था।

डिक्की बर्ड प्लान को प्लान बाल्कन के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि अगर इसका क्रियान्वयन हुआ होता तो भारत टुकड़ों में बंट जाता।

इसमें प्रावधान था कि सभी ब्रिटिश प्रांतों एवं देशी रियासतों को स्वतंत्र कर दिया जाए फिर उन्हें विकल्प दिया जाए कि वे चाहे तो भारत के साथ अपना विलय करे या फिर आपस में मिलकर पाकिस्तान बनाए या फिर स्वतंत्र रहें। किन्तु जब माउंटबेटन ने यह योजना शिमला में जवाहरलाल नेहरू के समक्ष रखा तो उन्होंने इसे पूरी तरह से अस्वीकार कर दिया।

तभी वी– पी– मेनन ने विभाजन की एक वैकल्पिक योजना रखी। उसमें यह प्रावधान था कि भारत एवं पाकिस्तान दो डोमिनियन का निर्माण होगा। उनका निर्माण ब्रिटिश भारत के क्षेत्र से होगा तथा देशी रियासतों के समक्ष एक मात्र विकल्प होगा कि अपनी भौगोलिक स्थिति को देखते हुए या तो भारत अथवा पाकिस्तान के साथ अपनी भू–भाग का विलय करें। उनके समक्ष स्वतंत्र रहने का विकल्प नहीं रखा गया। आगे यही प्लान माउंटबेटन प्लान के नाम से जाना गया जबकि यह प्लान मौलिक रूप में माउंटबेटन द्वारा निर्मित प्लान नहीं था।